

॥ ੨੦੭ ॥ ਧਾ ਕਾ ਮਿਥਾ ਪੀ ਰ

• दिल्ली का वर्धमान/विविधता/८४-८५/) , जिसका अनुभव

Digitized by srujanika@gmail.com

सहित,
दिल्ली ये दोषादेशवाले विभाग,
कैलालय, सिराज-गवाह,
मुख्यमंत्री ३२.

ધોદાય : - યુલ ૧૯૮૫ પાસું (કોણપટ્ટના વર્ષ ૧૯૮૫-૮૬)
 અધિક મહાવિદ્યારીએ શુણ કરાયાશરી ધિદાણી ર
 ગાયદા ૧૯૭૯ કલગ ૪૩ (૪) જન્માદે શાકશાંખા
 પૂર્વી રથાનગી બાબત,

二三

म्याम / सधिव - कृदिरा - द्वीशांग प्रासारक मंडळ,
 - - - पाटोटां : ना. ७४३५१५०५० (बेहपिल तर्फ १९८५-८६) - उद्दीपि -
 यांची शूक १०८५ पायुल (बेहपिल तर्फ १९८५-८६) - उद्दीपि -
 -
 थोडी बधील - द्वारीरिक - द्वीशांग -

सक्षय पूरा पठामोयत तंत्रेणहृषि प्रस्ता शालितेया विठित सुमुख्याद्वीपे अजवी एक
उत्तर य उन्नीस गङ्गाविद्यालयाच्या मुहितीरोर्धंशीधा एक तत्त्वा केषात वेऊ गापपास
विळंगी करण्यात येते ती, आराधाच्या पूर्वप्रस्तावाग्नीधार्षते विकापीठास कळविष्ट्यात यादे.

रोक्ति (धरील प्रगति)

ଆପଣା ଶିଖ୍ୟ,

କୁଳସମିଧର୍ମପତ୍ର

या पर्याप्ति एक प्रति आंकितिक जनसंख्या/परिमाण के लिए है।

प्राचीन भारत के ग्रन्थों पाठों में
उद्दिष्टि विजयी लड़ाक
जीवा उमिति कर्मात् वैते।

+
10

Types of Physical Evidence and Part 2